Technical Education
& Social Welfare Society

www.technicalshiksha.in 9754118593

# MS-DOS Complete Notes in

MS-DOS Complete Notes के अंतर्गत आज आप माइक्रोसॉफ्ट डॉस (Microsoft Dos) को अच्छे से जानेंगे, जैसे इसका उपयोग क्या है, इसके अंतर्गत आने वाली मुख्य कमांड कौन सी है और उनका इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं।

## Table of Contents


- What is MS DOS | एम.एस. डॉस क्या है?
- MS-DOS History | माइक्रोसॉफ्ट डॉस का इतिहास
- MS DOS Window Overview | माइक्रोसॉफ्ट डॉस विंडो ओवरव्यू
- Types of MS-DOS Commands | माइक्रोसॉफ्ट डॉस कमांड्स के प्रकार
- List of MS-DOS Commands | माइक्रोसॉफ्ट डॉस कमांड्स लिस्ट


## What is MS DOS | एम.एस. डॉस क्या है?

MS-DOS (Microsoft Disk Operating System) कंप्यूटर के लिए कैरेक्टर यूजर इंटरफेस (CUI) ऑपरेटिंग सिस्टम है। यह ऑपरेटिंग सिस्टम विंडोज़ (Windows) ऑपरेटिंग सिस्टम से पुराना है। इसे कमांड लाइन ऑपरेटिंग सिस्टम भी कहते हैं क्योंकि इसको कमांड टाइप करके ऑपरेट किया जाता है। विंडोज़ की तरह इसमे माउस का सपोर्ट नहीं है इसलिए सभी कार्य इसमे कीबोर्ड के द्वारा कमांड टाइप करके किए जाते हैं। इस ऑपरेटिंग सिस्टम में ग्राफिक्स का सपोर्ट भी नहीं होता है इसलिए इसकी फंक्शनैलिटी भी लिमिटेड होती है। जैसे – इसमे ड्रॉइंग, विडिओ

प्ले, विडिओ गेमिंग या यूं कहें तो आज कल के कंप्यूटरों जैसे उन्नत फीचर शामिल नहीं हैं। डॉस एक ऐसा ऑपरेटिंग सिस्टम है जो हमे कंप्यूटर पर फाइल व डायरेक्टरी मैनेजमेंट की सुविधा प्रदान करता है। जैसे – नई फाइल बनाना, देखना, मिटाना, छिपाना/दिखाना, कॉपी करना, नाम बदलना आदि।

# MS-DOS History | माइक्रोसॉफ्ट डॉस का इतिहास

MS-DOS, एक पुराना ऑपरेटिंग सिस्टम है जो 1980 के दशक में पर्सनल कंप्यूटर के लिए बहुत लोकप्रिय था। इसे 1981 में Microsoft द्वारा विकसित किया गया था। यह एक कमांड-लाइन इंटरफ़ेस (CLI) के साथ एक 16-बिट ऑपरेटिंग सिस्टम था।

MS-DOS का इतिहास-

- **शुरुआत:** 1980 के दशक की शुरुआत में, जब IBM ने अपने नए PC के लिए एक OS (Operating System) की तलाश की, तो Microsoft ने QDOS (Quick and Dirty Operating System) नामक एक ऑपरेटिंग सिस्टम के साथ एक समझौता किया।
- **MS-DOS का विकास:** Microsoft ने QDOS को संशोधित करके MS-DOS का विकास किया और इसे IBM PC के लिए जारी किया।
- **विस्तार:** MS-DOS का उपयोग IBM PC और अन्य PC क्लोनों पर व्यापक रूप से किया गया। यह पर्सनल कंप्यूटिंग के शुरुआती वर्षों में एक महत्वपूर्ण ऑपरेटिंग सिस्टम था.

डॉस के सभी वर्ज़न निम्न प्रकार है –

| **Version** | **Launch Year** |
|---|---|
| माइक्रोसॉफ्ट कार्पोरेशन ने Seattle Computer Product (SCP) कंपनी से QDOS के अधिकार (Rights) खरीदे और MS-DOS 1.0 नाम से पेश किया। | August 1981 |
| MS-DOS 1.25 | August 1982 |
| MS-DOS 2.0 | March 1983 |
| MS-DOS 3.0 & 3.1 | 1984 |
| MS-DOS 3.2 | April 1986 |
| MS-DOS 3.3 | April 1987 |
| MS-DOS 4.0 | July 1988 |
| MS-DOS 4.01 | November 1988 |
| MS-DOS 5.0 | June 1991 |
| MS-DOS 6.0 | August 1993 |

| | |
|---|---|
| MS-DOS 6.2 | November 1993 |
| MS-DOS 6.21 | March 1994 |
| MS-DOS 6.22 अंतिम स्टैन्डअलोन वर्ज़न | April 1994 |
| Windows 95 माइक्रोसॉफ्ट कार्पोरेशन द्वारा जारी किया गया तथा MS-DOS को विंडोज़ के साथ एम्बेड कर दिया गया | August 1995 |

MS-DOS Complete Notes

# MS DOS Window Overview | माइक्रोसॉफ्ट डॉस विंडो ओवरव्यू

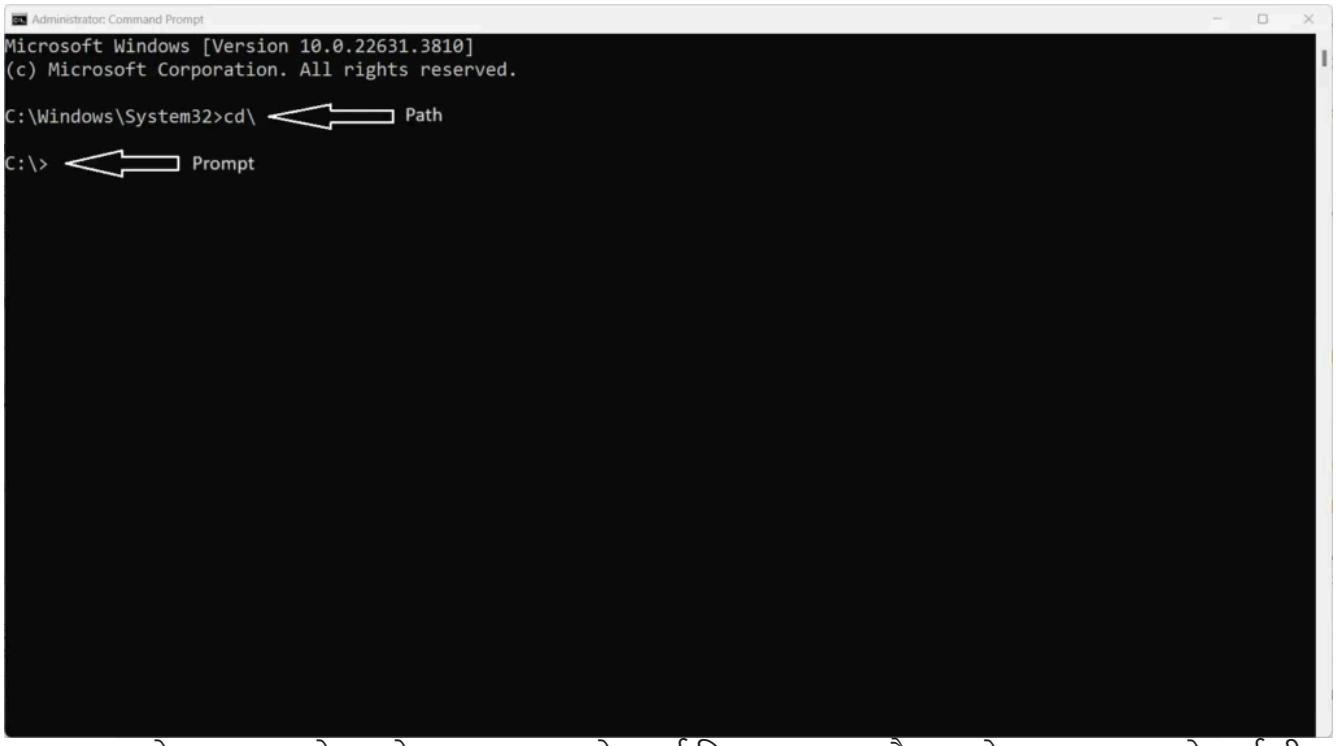


MS-DOS को रन (Run) प्रोग्राम से cmd टाइप करके स्टार्ट किया जा सकता है, या इसे cmd टाइप करके सर्च भी कर सकते हैं। डॉस एक ब्लैक विंडो के साथ ओपन होता है, जिसमे कुछ इनफार्मेशन के साथ C:\Window\System32> लिख कर आता है, इसे प्रॉम्प्ट एड्रैस (Prompt Address) कहते हैं। जो भी कमांड टाइप करनी होती हैं वह यही पर लिख कर टाइप करनी होती हैं। यहाँ पर C:\Window\System32> से तात्पर्य यह है कि कंप्यूटर मे C Drive के अंदर Windows नाम से डायरेक्टरी (फ़ोल्डर) है जिसके अंदर System 32 नाम से एक और डायरेक्टरी है। यूजर जो भी कार्य करेगा वह इसी डायरेक्टरी मे सेव होगा।

***नोट** – Prompt Address यूजर के अनुसार भिन्न हो सकते हैं। Prompt Address से बाहर निकलने के लिए CD\ लिखकर इंटर करें।*

# Types of MS-DOS Commands | माइक्रोसॉफ्ट डॉस कमांड्स के प्रकार

MS-DOS मे दो प्रकार की कमांड होती है जो निम्न प्रकार हैं –

**Internal DOS Command –** यह ऐसे डॉस कमांड होते हैं जो कंप्यूटर को स्विच ऑन करते ही कंप्यूटर बूटिंग के समय अपने आप ही कंप्यूटर में लोड हो जाती हैं, और तब तक कंप्यूटर के मेमोरी में बनी रहती हैं जब तक कंप्यूटर स्विच ऑफ ना हो जाए। इस कमांड्स को एडिट व मिटाया नहीं जा सकता। उदाहरण – Copy, Md, Rd, Cd, Cls, Date, Time, Dir, Prompt, Del, Echo आदि।

**External DOS Command –** यह कमांड फ़ाइलों के रूप में फ्लॉपी डिस्क या हार्ड डिस्क में उपस्थित रहती हैं। इक्स्टर्नल कमांड तभी काम करती है जब उस कमांड के नाम की फाइल फ्लॉपी डिस्क या हार्ड डिस्क में उपस्थित हो अन्यथा “Bad Command” or “File Name” नाम से संदेश प्रदर्शित होता है। इन कमांड फाइल्स को एडिट किया व मिटाया भी जा सकता है। उदाहरण- Compare, Tree, Diskcomp, Sys, Undelete, Format, Unformat, Print, Edit, Backup, Restore आदि।

# List of MS-DOS Commands | माइक्रोसॉफ्ट डॉस कमांड्स लिस्ट

**1. Time** – इस कमांड का उपयोग सिस्टम का टाइम देखने के लिए किया जाता है, इस कमांड के द्वारा टाइम को अपडेट भी कर सकते हैं।

Syntax- C:\>time

**2. Date** – इस कमांड का उपयोग सिस्टम की डेट (Date) देखने के लिए किया जाता है, इस कमांड के द्वारा डेट को अपडेट भी कर सकते हैं।

Syntax- C:\>date

**3. Clear Screen** – इस कमांड के द्वारा स्क्रीन की इनफार्मेशन साफ कर सकते हैं।

Syntax- C:\>cls

**4. Directory** – इस कमांड का उपयोग वर्तमान डायरेक्टरी की सब-डायरेक्टरी व फाइल्स देखने के लिए करते हैं।

Syntax- C:\>dir

Dir कमांड के द्वारा फाइल व डायरेक्टरी को निम्न तरह कस्टमाइज़ करके भी देख सकते हैं। इनकी कमांड निम्न तरह हैं-

- dir w* (w नाम से स्टार्ट होने वाली सभी फाइल देखने के लिए)
- dir/w (डायरेक्टरी और फाइल्स वाइड रूप मे प्रदर्शित होती हैं)
- dir/s (सब-डायरेक्टरी व उनकी फाइल्स देख सकते हैं)
- dir/p (डायरेक्टरी व फाइल्स को पाऊस करके देख सकते है अगर स्क्रीन फुल हो जाती है)
- dir/ah (हाइड फ़ाइलों को देख सकते है)
- dir/ad (केवल डायरेक्टरी देख सकते है)
- dir/as (सिस्टम फाइल्स को देख सकते है)
- dir/ar (रीड ओन्ली फाइल्स देख सकते है)
- dir/on (डायरेक्टरी व फाइल्स को A to Z ऑर्डर मे देख सकते है)
- dir/o-n (डायरेक्टरी व फाइल्स को Z to A ऑर्डर मे देख सकते है)

- dir/os (डायरेक्टरी व फाइल्स को बढ़ते साइज़ मे देख सकते है)
- dir/o-s (डायरेक्टरी व फाइल्स को घटते साइज़ मे देख सकते है)

**5. Change Directory** – इस कमांड का उपयोग डायरेक्टरी बदलने के लिए किया जाता है। इनकी कमांड निम्न तरह हैं।

1. Syntax- C:\>cd dir_name (डायरेक्टरी मे प्रवेश करने के लिए)
2. Syntax- C:\>cd.. (वर्तमान डायरेक्टरी से बाहर आने के लिए)
3. Syntax- C:\>cd\ (सभी डायरेक्टरी से एक साथ बाहर आने के लिए)

**6. Make Directory** – इस कमांड का उपयोग नई डायरेक्टरी बनाने के लिए किया जाता है।

Syntax- C:\>md dir_name

**7. Remove Directory** – इस कमांड का उपयोग डायरेक्टरी को मिटाने के लिए करते है, यदि डायरेक्टरी मे डाटा है तो डिलीट नहीं होगी, इसके लिए पहले डाटा मिटाना होगा।

- Syntax 1- C:\>del dir_name (डायरेक्टरी का डाटा मिटाने के लिए)
- Syntax 2 – C:\>rd dir_name (डायरेक्टरी मिटाने के लिए)

**8. Copy Con** – इस कमांड का उपयोग नई फाइल बनाने के लिए किया जाता है।

Syntax- C:\>copy con filename

*नोट – फाइल को सेव करने के लिए F6 या Ctrl + Z प्रेस करेंगे।*

**9. Type** – इस कमांड का उपयोग फाइल का मैटर देखने के लिए किया जाता है।

Syntax- C:\>type filename

**10. More** – इस कमांड का उपयोग तब किया जाता है जब फाइल का मैटर एक पेज से हो, और फाइल को रोक-रोक कर देखना हो।

Syntax- C:\> type filename|more

**11. Sort** – इस कमांड का उपयोग करके फाइल या डायरेक्टरी के मैटर को असेंडिंग/डिसेंडिंग ऑर्डर मे बदलकर देख सकते है। इनकी कमांड निम्न तरह हैं।

- Syntax 1 – C:\> Type file_name|sort (for Ascending Order)
- Syntax 2 – C:\> Type file_name|sort/r (for Descending Order)

**12. Rename** – इस कमांड का उपयोग फाइल का नाम बदलने के लिया किया जाता है।

Syntax – C:\>ren old_filename new_filename

**13. Delete** – इस कमांड का उपयोग फाइल को डिलीट करने के लिए किया जाता है।

Syntax – C:\> del filename

**14. Print –** इस कमांड का उपयोग फाइल को प्रिन्ट करने के लिए करते हैं।

Syntax – C:\>print file_name

**15. Copy** – इस कमांड का उपयोग फाइल के मैटर को नई फाइल मे कॉपी करने के लिए किया जाता है।

- Syntax 1- C:\>copy old_filename new_filename
- Syntax 2- C:\>copy file_name D:\ (Copy file to drive D)

**16. Multi Copy** – इस कमांड का उपयोग एक से अधिक फ़ाइलों को किसी नई फाइल मे कॉपी करने के लिए किया जाता है।

Syntax-  C:\>copy file1+file2+file new_filename

**17. Xcopy –** इस कमांड का उपयोग किसी डायरेक्टरी का डाटा किसी अन्य डायरेक्टरी मे कॉपी करने के लिए करते हैं।

Syntax – C:\>xcopy dir1 dir2

**18. Move –** इस कमांड का उपयोग किसी फाइल व डायरेक्टरी को एक लोकैशन से दूसरी लोकैशन पर मूव करने के लिए करते है।

Syntax – C:\>move file_name dir_name

**19. Batch** – इस कमांड का उपयोग बैच फाइल बनाने के लिए किया जाता है। बैच फाइल एक एक्सिक्युटेबल फाइल होती है, इसमे लिखी कमांड्स औटोमेटिक रन होती हैं।

Syntax- C:\>copy con filename.bat

```
C:\>copy con mywork.bat
md dir1
md dir2
cd dir1
copy con file1
cd..
cd dir2
copy con file2
cd..
```

उपरोक्त फाइल के मैटर मे लिखी कमांड स्वतः रन होंगी, जिससे दो डायरेक्टरी क्रीऐट होंगी और और दोनों डायरेक्टरी मे एक-एक फाइल भी क्रीऐट होगी।

नोट – बैच फाइल को सेव करने के लिए F6 तथा फाइल रन करने के लिए कमांड प्रॉम्प्ट पर फाइल का नाम लिखकर इंटर करेंगे। Syntax- C:\>filename

**20. Attrib** – इस कमांड का उपयोग डायरेक्टरी व फाइल्स को हाइड/अनहाइड व रीड/राइट बनने के लिए किया जाता है। इनकी कमांड निम्न तरह है।

- Syntax 1 – C:\>attrib file_name + h (for hide a file)
- Syntax 2 – C:\>attrib file_name – h (for show file)

**21. Format** – इस कमांड का उपयोग डिस्क ड्राइव को फॉर्मैट करने के लिए करते हैं।

- Syntax- C:\>format volume_name: (normal format)
- Syntax- C:\>format volume_name/q: (quick format)

**22. Prompt** – इस कमांड का उपयोग प्रॉम्प्ट का नाम बदलने के लिए करते है।

- Syntax 1- C:\>prompt name (for change prompt name)
- Syntax 2- C:\>prompt (default prompt)

**23. Echo** – इस कमांड का उपयोग प्रॉम्प्ट को Hide/Show करने के लिए करते है।

- Syntax 1- C:\>echo off (for hide prompt)
- Syntax 2- C:\>echo on (for show prompt)

**24. Title** – इस कमांड का उपयोग टाइटल बार का नाम बदलने के लिए करते हैं।

Syntax- C:\>title name

**25. Mode** – इस कमांड का उपयोग डॉस विंडो का साइज़ बदलने के लिए करते है।

Syntax- C:\>mode 40

**26. CHKDSK** – इस कमांड का उपयोग डिस्क मेमोरी को चेक करने के लिए करते है।

Syntax- C:\>chkdsk

**27. Tree** – इस कमांड का उपयोग डायरेक्टरी व फाइल्स को हिरार्की मोड मे देखने के लिए करते हैं।

Syntax- C:\>tree

**28. Color** – इस कमांड का उपयोग डॉस स्क्रीन का बैकग्राउंड व फोरग्राउन्ड कलर बदलने के लिए करते हैं। कलर वैल्यू हेक्साडेसीमल (0-9 and A-F) मे देते है। पहली वैल्यू बैकग्राउंड के लिए तथा दूसरी वैल्यू फोरग्राउन्ड के लिए होती है।

- Syntax- C:\>color 1B

- Syntax- C:\>color/? (for color list)

**29. Systeminfo** – इस कमांड का उपयोग सिस्टम की जानकारी देखने के लिए करते हैं।

Syntax- C:\>systeminfo

**30. Version** – इस कमांड के द्वारा सिस्टम मे लोड ऑपरेटिंग सिस्टम का वर्ज़न देख सकते हैं।

Syntax- C:\>ver

**31. Volume** – इस कमांड के द्वारा ड्राइव का लेबल व सीरीअल नंबर देख सकते हैं। लेबल, डिस्क ड्राइव जैसे – C, D, F आदि का नाम होता है।

Syntax- C:\>vol

Syntax- C:\>vol D:

**32. Label –** इस कमांड का उपयोग ड्राइव लेबल बदलने के लिए करते हैं।

Syntax- C:\>label d: mydisk

**33. Start** – इस कमांड का उपयोग नई डॉस विंडो ओपन करने के लिए करते है।

Syntax: C:\>start

**34. Help** – इस कमांड का उपयोग कमांड लिस्ट ओपन करने के लिए करते है।

Syntax: C:\>help/?

**35. Exit** – इस कमांड का उपयोग डॉस विंडो को बंद करने के लिए करते हैं।

Syntax: C:\>exit